

34168 ?



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ?

१० नमो भगवते वासुदेवा ॥ ४ ॥ सिद्धि भुज्जगन्म ॥ ४ ॥ त्वमसि
ना सिद्धि भुज्जगन्म ३ दोसु क्रोक न या ला थन ना हा गं
पना भुज्जगन्म ५ माया वरु क या ग वा स न ॥ ४ ॥

११ सिद्धि भुज्जगन्म विष्णु वा क सिद्धि भुज्जगन्म ३ हि
क्रिय थडा म्मा वा ग न स या रु ध न

१२ भुज्जगन्म दस ॥ १ ॥ दं द भुज्जगन्म ल क ना न यान म ला प्र
ग भु मू ला न यान धनार्थिना नंद किंकि थं
नि ठं गि गि ला ४ ॥ धन ३ मि सा व स हि भु लि
को या व मं क या दा व रु न सा व स क य क म
रु न सा मि सा न को क स क य क सि ध मं क थ ला
०० व को ला न क य न को या व मं क या दा व मि
सा क क क स ०० व ना म का य सा न ॥

१३ नृणां स ख निरुद्धनाति र्वरा मुख जगत्ति
ना यद न विस् यावे गिका रु कय ह नि म कक
रु काम छत्र का सख मिलि ह गग दूर मं नु हुं
व्यत्र वाया मि सा ड न वा म न ह न काव प्र काय
ना मा ह ड प्रा नि द न के के र मा र ना ति न मा न ना मा न
ना म लि ज्ञा सि द्वि धा न न न ह लि ज्ञा न का त्या क

१ श्री गुरु आ र्था ४ वा न का लि ४ म सा न का लि ४ स का लि
४ व का लि ४ रु न ४ सा ह धा र नु ह वि य धा

४ व नो य सा मा हा नि ४ रा य रु य का वि य नु ख य ४
नु सि य का वा लि मा हा नि य नु मा हा नि ४ स रु मा
हा नि आ का स मा हा नि ध रि मा हा नि रा जा मा हा नि ना
नि मा हा नि नु र कि स ति म लि ह ति रु नो म नु हुं ४
कि ता या ग न व न य न ति रु थ न र रु मी व व ह स

१३ वज्रया निबुधु कु सयन पु सुं वन कु ले ला हा धम
ने उ विकन ड पन वं पालि न न स धाय न व न डु नि स धान
सा रु न वि क न के न का या द म रु दा का व पालि धाय ज
न व न थ

१४ वज्रनथ न नि न का या द नि ड ग न मा हा नि ज न थ
न व थ धा मा नि र ग न रु सि हु नि स वा न न सु म ड न या
पा न स ध न मा हा ना न थ म धा न न ग न व ड न न थ म

निय मि मि सा व ह

१५ मि धि नु नू जा ग्मा का तु लि द जा मा या ला नि पुल व द ज
मा हा नि वा नि द वि व का द य वि न स ग न नि द व ४ का
जा व धा म लि ण रु का का नि द व धा धा न हा म लि न
र नाम नु हुं धा मि वा रा मा हा द व कि ज्जा ग्मा नि क
म नु या हा व वि धा धा म धा न उ द्वा न र स न व
नू य थ म

१५ लेखक बरु थाले गलकादू न जवठमा ठुं
वाप छेलि जाव विमान पात ठव तिदवस जा
यम मसकति अरुसति रुना मने छु ठुं छन
वायो ॥ धन न लारु न वरिद वस न धन न
मनु मिता वरु ठुं व

१३ न मायुत्र आम्हा ॥ ३३ ॥ उक्ते ॥ जय कथ दाना
सिद्धि सन ह नि ति १३ ॥ ध नि द का त स्या रु ३
कथ य दा स न या म नु ॥
१३ आ व लि मा रु नि जा ॥ ३३ ॥ प्र सू ख ॥ य द
म नि व स म नि क्रि य स न द्या न मा रु ना ज
ता न स ला ने ॥ ३३ ॥ सि द्धा स न व धि ना जा मा रु

यदि विश्वनाथनाम किं पुष्पनाम
 अथ किं यनिहानिनामलि वधुनाम
 वकिं जगन्नाथनामलि वकी नु
 नामकं वधुनामलि वकी नु
 सुवर्णनामलि वधुनामलि वकी नु
 काया वधुनामलि वकी नु
 सुनि कुरुया वधुनामलि वकी नु



ॐ नमो आदर गुरु क सिं धन रु स धन मारु न
कि या वि सृ ष अलिवलि न ठं द मंद ल साव दन ठं
द म वंद न कू रा म नु ठं धलि मा हा द व उ वा रा
ॐ नमो आदर गुरु अक्षय धन १ सिं धन रु या हा
य कि न के व सिं धन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कथं कुरुते न वदतु काय न ह
कोपा नय ॥ वासुदेव कथं कुरुते न वदतु विद्वत्
तिसिया नान माय छा य धन काय सस्य न
वय ॥ ॥ न ह्यस कथं कुरुते न वदतु काय न
न काय काय न स या न वि या न न य तिसिया न
स सिद्ध या दार क काय न ह दार स ह्य न वय

कुरुते कायि हन उ द्यय स नि ला थ ति फ
म न सिया ति स दिय उ लि दि न पु न न थ न
स स म न सिया ति स द्य न क पाय प थ न या
क व नि द्य य न का वि हन उ क स नि न ह्य स दि
य उ दि वि न उ व ५५ न क ज्ञान य ह्य वी न ह्य
वी न पि सा स न या द्य थ स ह्य न व ज्ञान

सिमा हा ब सा न क य स या मि स ग न

रु वृ लि मं स १

रु न धा न मं स २

लि ना थ ति मं स २

म न क नि सि मं स १४

न डी वा न मं स १

य क्ता मं स १

वा मं स २

न य इ इ स का पा न क
या वा क धे न न क व न
ली क

रु य या न वा स

क मु लि

लि ना थ ति

व य क य

ज य व क य

ल व क य

क न ति सि या रु न

रु न सि या स न

रु ना नू

स्यो द न न

ध ति रु य उ म स न

नि य क दू कू उ म न म न

१ वमं संकुतु सनया उ कु सु सन हा दव य न
न कु उ वा ल के अ स न कु ल के स न स न या न
ना न के वि वि क न थिय म नू

शु क र् वा स य म क या उ म सु हा पा सिल म म म य क य क